

**भाकृअनुप-कृषि प्रद्यौगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, काजरी परिसर,
जोधपुर, राजस्थान 342005**

23 अक्टूबर 2026 को राजभाषा निरीक्षण समिति के दौरे की कार्यवाही

राजभाषा इकाई, आईसीएआर मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा गठित राजभाषा निरीक्षण समिति ने 23 अक्टूबर 2026 को आईसीएआर-अटारी, जोन- II, जोधपुर कार्यालय का दौरा किया। निरीक्षण समिति में श्री आई बी कुमार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, सीएसडब्ल्यूआरआई, अविकानगर, श्री आशुतोष कुमार, उप निदेशक, राजभाषा, आईएआरआई, नई दिल्ली, श्रीमती संतोष, सहायक निदेशक, आईएसआरआई, नई दिल्ली शामिल थे। बैठक की अध्यक्षता अटारी, जोधपुर के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने की, जिसमें आईसीएआर निरीक्षण समिति के सदस्यों के साथ-साथ वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, वित्तीय और सहायक कर्मचारियों ने भाग लिया। राजभाषा समिति के अध्यक्ष ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और सदस्यों द्वारा "राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग के लिए निरीक्षण प्रश्नावली" पर चर्चा शुरू हुई।

राजभाषा हिंदी इकाई, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध कराए गए निरीक्षण प्रश्नावली (इंस्पेक्शन प्रश्नावली) के विभिन्न बिंदुओं पर अध्यक्ष ने निरीक्षण समिति के साथ चर्चा की। समिति ने संस्थान की हिंदी समिति के कामकाज, हिंदी में पत्राचार, आधिकारिक फाइलों पर टिप्पणियों, साइन बोर्ड, आधिकारिक मुहरों, विभिन्न रजिस्ट्रारों के रखरखाव, और दैनिक आधिकारिक कार्यों में हिंदी भाषा को लागू करने से जुड़े नियमों के अनुपालन का जायजा लिया। श्री आई.बी. कुमार ने ICAR संस्थानों पर लागू नियमों के अनुसार प्रश्नावली में और सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट प्रश्नावली में किस प्रकार सावधानीपूर्वक दर्ज की जानी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने सुझाव दिया कि ATARI, जोन-II, जोधपुर के अंतर्गत आने वाले सभी KVKs के सहयोग से हिंदी में एक आधिकारिक प्रकाशन (जैसे कि कोई पत्रिका) निकाला जा सकता है।



श्री आशुतोष कुमार ने प्रश्नावली के हर बिंदु पर चर्चा की और ICAR संस्थानों पर लागू नियमों के अनुसार, प्रश्नावली में और सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने निरीक्षण प्रश्नावली के प्रत्येक भाग को सभी प्रतिभागियों के सामने तार्किक ढंग से और धैर्यपूर्वक समझाया। उन्होंने यह भी विस्तार से बताया कि राजभाषा पोर्टल पर ऑनलाइन जमा की जाने वाली त्रैमासिक रिपोर्ट में, आधिकारिक हिंदी कार्यों की जानकारी कैसे दी जानी चाहिए। उन्होंने विभिन्न संस्थानों के साथ होने वाले पत्राचार को द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) बनाने पर जोर दिया और कहा कि जिन संस्थानों से अंग्रेजी में पत्र प्राप्त हुए हैं, उनकी एक सूची तैयार की जानी चाहिए। 'हिंदी पखवाड़ा' कार्यक्रम के दौरान, राजभाषा

को बढ़ावा देने के कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए, नकद राशि के रूप में खर्च किया जा सकता है।

श्रीमती संतोष ने निरीक्षण प्रश्नावली की समीक्षा की और सलाह दी कि डेटा भरते समय किए गए सभी कार्यों को रिपोर्ट में सावधानीपूर्वक शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि प्रत्येक निर्धारित तिमाही के अंत में नियमित रूप से त्रैमासिक बैठकें आयोजित की जानी चाहिए और उनका विवरण राजभाषा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा किया जाना चाहिए। आधिकारिक आदेश, अधिसूचनाएं, अनुबंध, समझौते, प्रेस विज्ञप्तियां और उच्च कार्यालयों को भेजी जाने वाली रिपोर्टें द्विभाषी (दोनों भाषाओं में) होनी चाहिए। ATARI के निदेशक ने ICAR निरीक्षण समिति के सभी सदस्यों को उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए धन्यवाद दिया और ATARI जोधपुर में दैनिक आधिकारिक कार्यों में राजभाषा के कार्यान्वयन में और सुधार लाने का आश्वासन दिया। बैठक का समापन अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ।